Electric Crematorium

*890. **Shri D. C. Sharma:**
Shri Ram Harkh Yadav:

Will the Minister of **Health** be pleased to state:

(a) whether the work on the electric crematorium in Delhi has been completed;

(b) the amount spent thereon; and

(c) when is it likely to be commissioned?

The Minister of Health (Dr. Sushila Nayar): (a) Yes, Sir.

(b) The expenditure incurred on buildings and electric installations etc. amounts to Rs. 6.2 lakhs approximately.

(c) By the end of April, 1965.

Study of Price Decontrol

***891. Shri Sidheshwar Prasad:** Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) whether the effect of the price decontrol, from 16th December 1963, on caustic soda, hydrocholric acid, bleaching powder, chlorine, chilean nitrate, sulphates of potash and washing soaps has been studied;

(b) if so, their price level in January, 1964 and January, 1965 respectively; and

(c) whether the purpose of the price decontrol has been served?

The Minister of Planning (Shri B. R. Bhagat): (a) Yes, Sir.

(b) A statement giving this information is laid on the Table of the House. [*Placed in Library, See No.* LT-4195/65].

(c) Yes, Sir. Government are, however, keeping a constant watch on the situation and remedial measures, including re-imposition of control, will be taken if and when necessary.

सरकारी कर्मचारियों के लिए मकान

*892. **श्री ओंकार लाल बेरवा:**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री युद्धवीर सिंह :
श्री बड़े :
श्री बूटा सिंह :
श्री किशन पटनायक :

क्या **निर्माण और आवास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली और नई दिल्ली में रहने वाले ऐसे कर्मचारियों की संख्या क्या है जिन की सेवा-अवधि बीस वर्ष हो गई है लेकिन जनरल पूल में श्रेणी चार के क्वार्टरों के हकदार होने पर भी क्वार्टर नहीं दिये गये हैं ;

(ख) उन्हें कब तक क्वार्टर दिये जाने की संभावना है ; और

(ग) क्या सरकार का विचार सन्तानम समिति की सिफारिश को ध्यान में रखते हुए इन कर्मचारियों के लिये निजी मकानों की व्यवस्था करने का है ?

निर्माण और आवास मंत्री (श्री मेहरचन्द खन्ना): (क) जिन्हों ने दरखास्त दी हैं उन में से करीब 560 ।

(ख) जनरल पूल में टाईप चार के करीब 4400 मकान हैं । 252 और बन रहे हैं । अन्तर को पूरा करने के लिये नये मकान बनाने की हर मुमकिन कोशिश की जा रही है ।

(ग) जी नहीं । दिल्ली में मकानों की समस्या पहिले ही से बहुत गम्भीर है, उसे और ज्यादा बढ़ाना ठीक नहीं होगा ।

Central Assistance to U.P.

*893. **Shri Rameshwar Tantia:**
Shrimati Savitri Nigam:
Dr. Chandrabhan Singh: